राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय ग़ाज़ीपुर

ऑनलाइन सेमिनार:

महामारियों के दौरान आपदा प्रबंधन

(नीतिगत ढांचा, सामुदायिक व्यवहार और स्वास्थ्य प्रबंधन पर विमर्श)

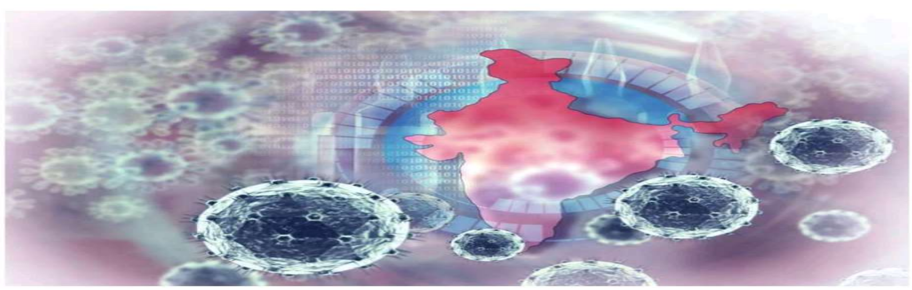

Date: 01/04/2020; Time: 11 AM- 01PM

उद्घाटन: डॉ. वंदना शर्मा, निदेशक- उच्च शिक्षा उ.प्र.

गरिमामय उपस्थिति: डॉ. हिरेन्द्र प्रताप सिंह- संयुक्त निदेशक उच्च शिक्षा उ.प्र.

विशिष्ट आशीर्वाद: डॉ. राजीव पाण्डेय- संयुक्त निदेशक उच्च शिक्षा उ.प्र.

विशिष्ट अनुग्रह: डॉ. बी.एल. शर्मा- सहायक निदेशक, उच्च शिक्षा उ.प्र.

संयोजक: संतन कुमार राम **संरक्षक/ प्राचार्य: प्रो.(डॉ.)सविता भारद्वाज**

"महामारी के दौरान आपदा प्रबंधन"

ऑनलाइन सेमिनार (वेबीनार) **01/04/2020**

राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय, गाजीपुर

राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय, गाजीपुर ने अभिनव पहल करते हुए "महामारी के दौरान आपदा प्रबंधन" विषय पर ऑनलाइन सेमिनार (वेबीनार) का आयोजन किया । इस वेबीनार का उद्घाटन उच्च शिक्षा निदेशालय, प्रयागराज से संयुक्त शिक्षा निदेशक डॉ हितेंद्र प्रताप सिंह, सहायक शिक्षा निदेशक डॉ बी एल शर्मा एवं प्राचार्य डॉ सविता भारद्वाज ने संयुक्त रूप से किया।

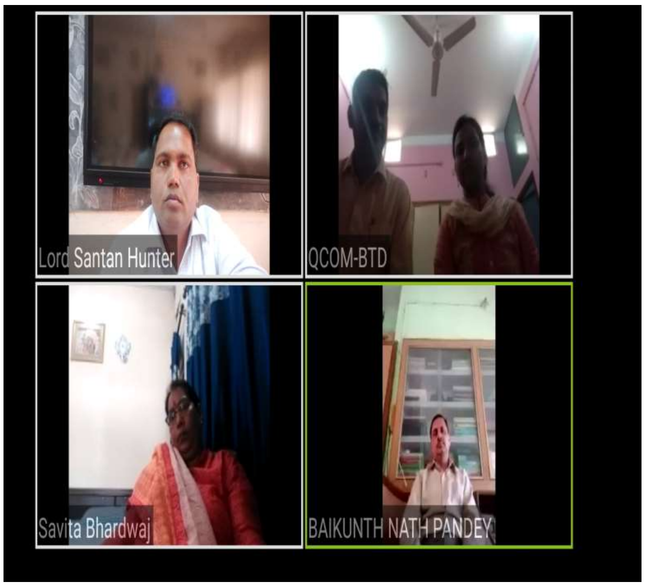

इस अवसर पर संयुक्त निदेशक महोदय ने कहा कि यह आयोजन राजकीय महाविद्यालयों के लिए ऐतिहासिक, नवोन्मेषी एवं अनुकरणीय है। समकालीन आपदा के समय ऐसा आयोजन आवश्यक एवं नवीन दृष्टि प्रदान करने वाला है। डॉ बी एल शर्मा ने पूंजीपतियों से कॉरपोरेट सोशल रिस्पांसिबिलिटी के रूप में कोरोना से पीड़ित कर्मचारियों के खर्च उठाने की बात की। प्राचार्य डॉ सविता भारद्वाज जी ने बताया कि उच्च शिक्षा की ओर से समाज को यह हमारा रचनात्मक योगदान है। कार्यक्रम के समन्वयक डॉ संतन कुमार राम के अनुसार नीतिगत ढांचा, सामुदायिक व्यवहार और स्वास्थ्य प्रबंधन पर सामयिक चर्चा के लिए ये आयोजन किया गया है। मीडिया प्रभारी डॉ शिव कुमार ने बताया कि ऐसे आयोजन अब तक देश के चुनिंदा संस्थान ही कर पाए हैं। महाविद्यालय की ओर से आयोजित इस प्रथम सफल एवं रोचक ऑनलाइन सेमिनार में कई राज्यों से कुल 37 से अधिक विषय विशेषज्ञ एवं शोधार्थी 3 घंटे तक जुड़कर परस्पर मंथन किया।

वनस्पति विज्ञानी डॉ बी.एन. पांडेय ने विषाणुओं की उत्पत्ति, उनके वर्गीकरण और कोरोनावायरस के संबंध में आधार वक्तव्य दिया। प्लांट पैथोलॉजिस्ट डॉ योगेश ने वायरस के प्रसार पर विस्तार से अपनी बात रखी। वर्धमान मुक्त विश्वविद्यालय, कोटा-राजस्थान से डॉ आलोक चौहान ने महामारियों के प्रसार उनके भौगोलिक वितरण और आयाम पर विस्तार से प्रकाश डाला। डॉ विकास सिंह ने महामारियों के इतिहास पर पर अपना आलेख प्रस्तुत किया। मुजफ्फरपुर बिहार से गृह विज्ञान की डॉ बंदना कुमारी ने आहार द्वारा प्रतिरोधक क्षमता विकसित करने के विषय में अपना मत रखा। डॉ के के पटेल ने किन भोज्य पदार्थों से स्वास्थ्य बेहतर हो सकता है इस पर प्रकाश डाला। मनोवैज्ञानिक डॉ शिवकुमार ने सामुदायिक स्वास्थ्य, व्यवहार एवं नीतियों की भूमिका पर अपनी बात रखते हुए सार्वजनिक स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूती प्रदान करने पर बल दिया।

संगोष्ठी में सेवापुरी– वाराणसी के डॉ घनश्याम एवं डॉ गीता रानी शर्मा, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के वैज्ञानिक मुजफ्फरनगर के डॉ संजय सिंह, पटना से डॉ सुशांत कुमार, इतिहासविद डॉ सारिका सिंह, रसायन विज्ञानी डॉ आजम, सुप्रीम कोर्ट के अधिवक्ता अंकित शर्मा, समाजशास्त्री डॉ एखलाक खान, में से विवेक कुमार, सुधा चौरसिया, शिबली कालेज आजमगढ़ से मसिउल्लाह, बलिया से राघवेन्द्र प्रताप सिंह, जौनपुर से अतुल त्रिपाठी, वाराणसी से भावना राव, इलाहाबाद से अश्विनी कुमार यादव, गाजीपुर से उरूज़ फात्मा, प्रीति गोंड, तहरीम, स्वाती वर्मा, प्रतीक्षा राय एवं देश के विभिन्न संस्थानों से शोधार्थियों ने प्रतिभाग किया। कार्यक्रम के समापन पर महाविद्यालय परिवार की ओर से वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ दीप्ति सिंह जी ने सभी विषय विशेषज्ञों, प्रतिभागी शोधार्थियों और विद्वानों का आभार ज्ञापन किया। कार्यक्रम

का सफल संचालन, समन्वयन एवं नवोन्मेषी पहल भूगोल विभाग द्वारा की गई।

1